

Raniganj Girls' College

Course Name: Environment Studies

Course Code: AEE101

Topic of the project: Effect of population growth in India

A Project Report

Submitted by Semester-I students (Academic Year 2021-22)

Name of the student	Registration Number
ANANYA CHATTERJEE	113211210037
PRIYANKA ROY	113211210013
SUKLA MAJI	113211210051
PUNAM GHOSH	113211210060
PUJA OJHA	113211210022
PUJA RUIDAS	113211210122
SNIGDHA BOURI	113211210074

CERTIFICATE

This is to certify that this project titled "Effect of population growth in India" submitted by the students for the award of degree of B.A. Honours/ Program is a bonafide record of work carried out under my guidance and supervision.

Name of the student	Registration Number
ANANYA CHATTERJEE	113211210037
PRIYANKA ROY	113211210013
SUKLA MAJI	113211210051
PUNAM GHOSH	113211210060
PUJA OJHA	113211210022
PUJA RUIDAS	113211210122
SNIGDHA BOURI	113211210074

Place: Raniganj

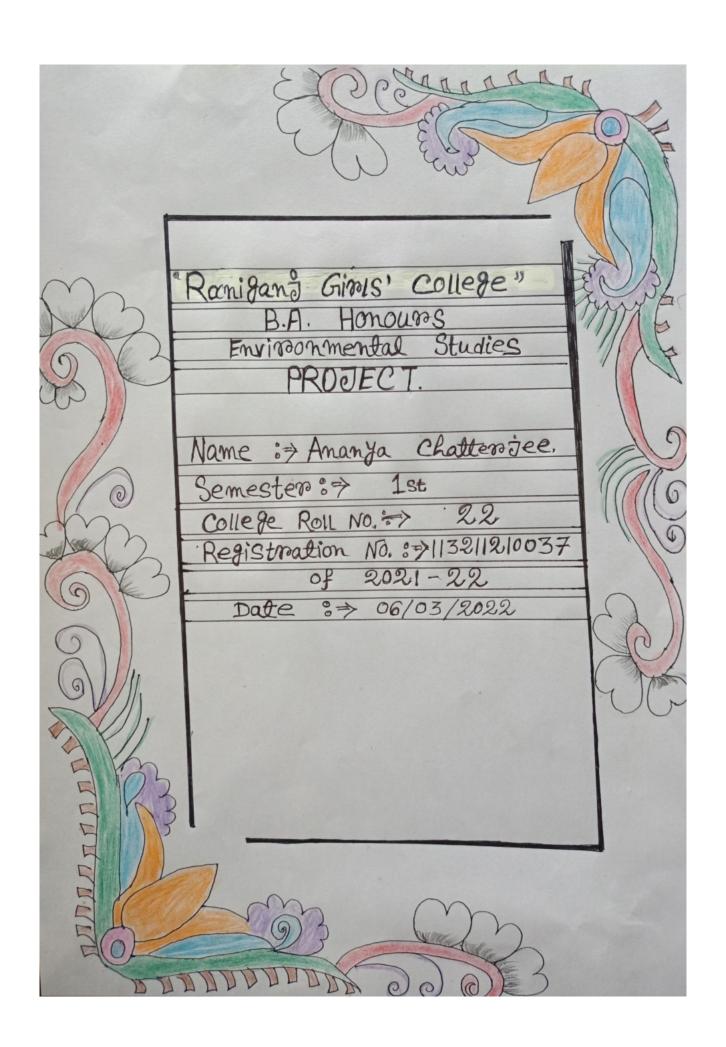
Date: 18.03.2022

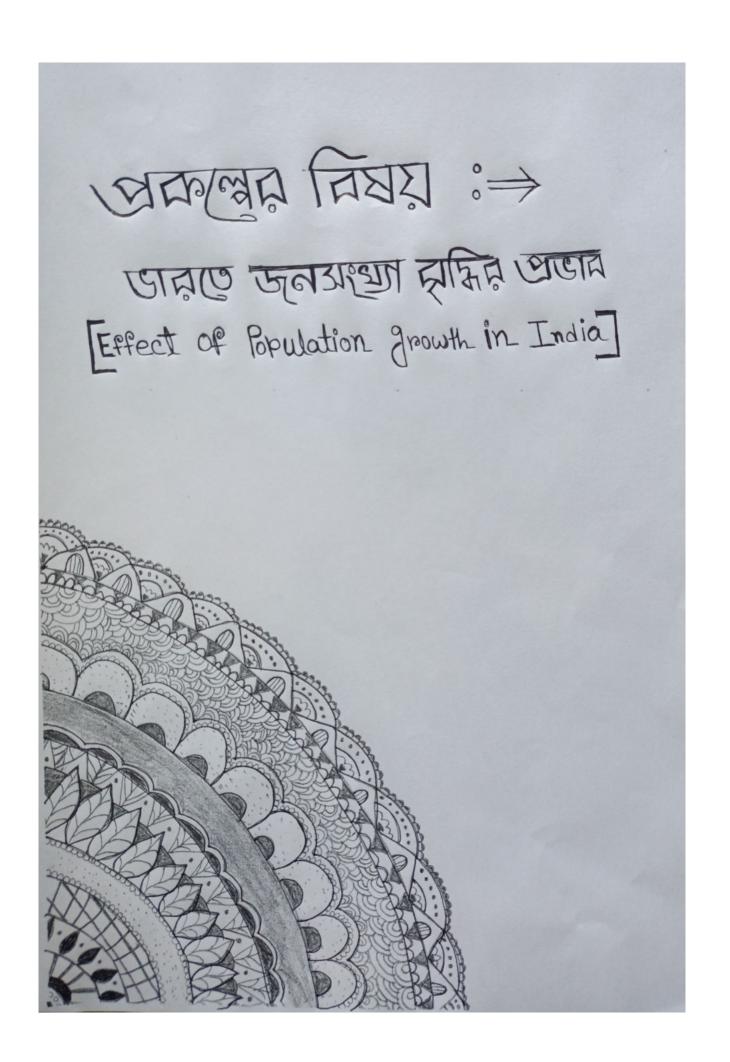
S. Mitra

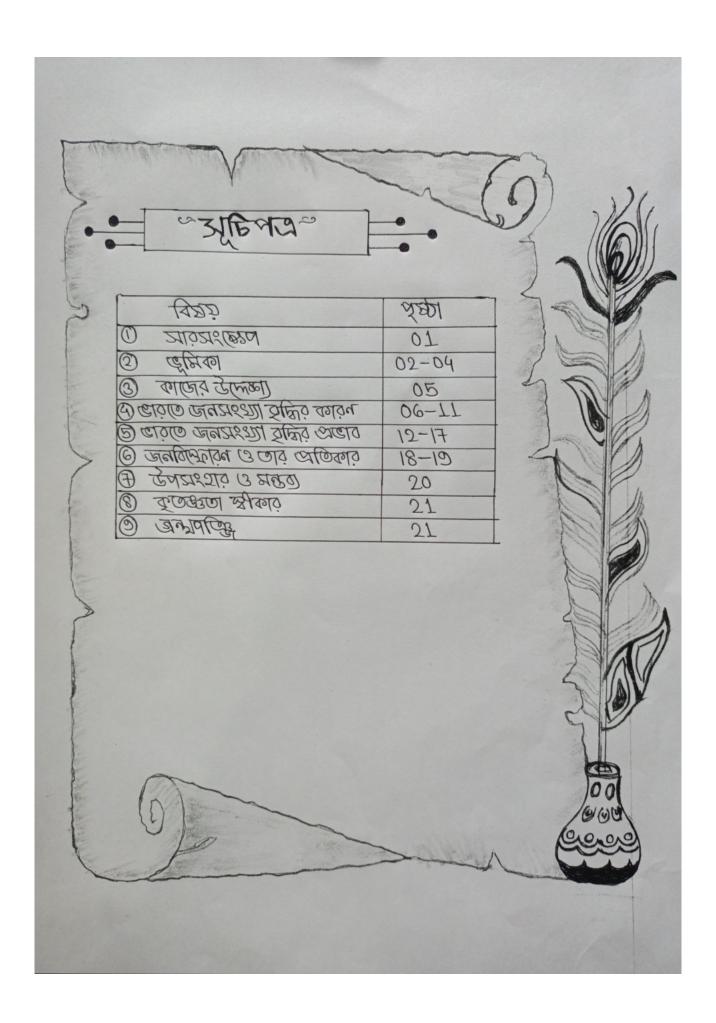
Associate Professor, Department of Economics

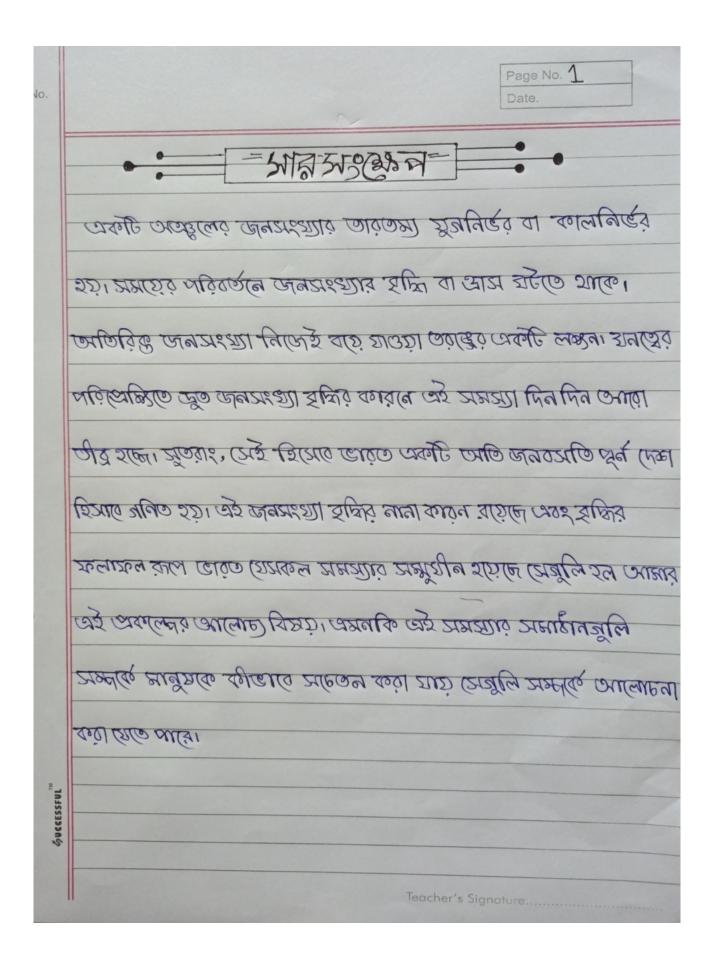
Signature of the supervisor with designation and department











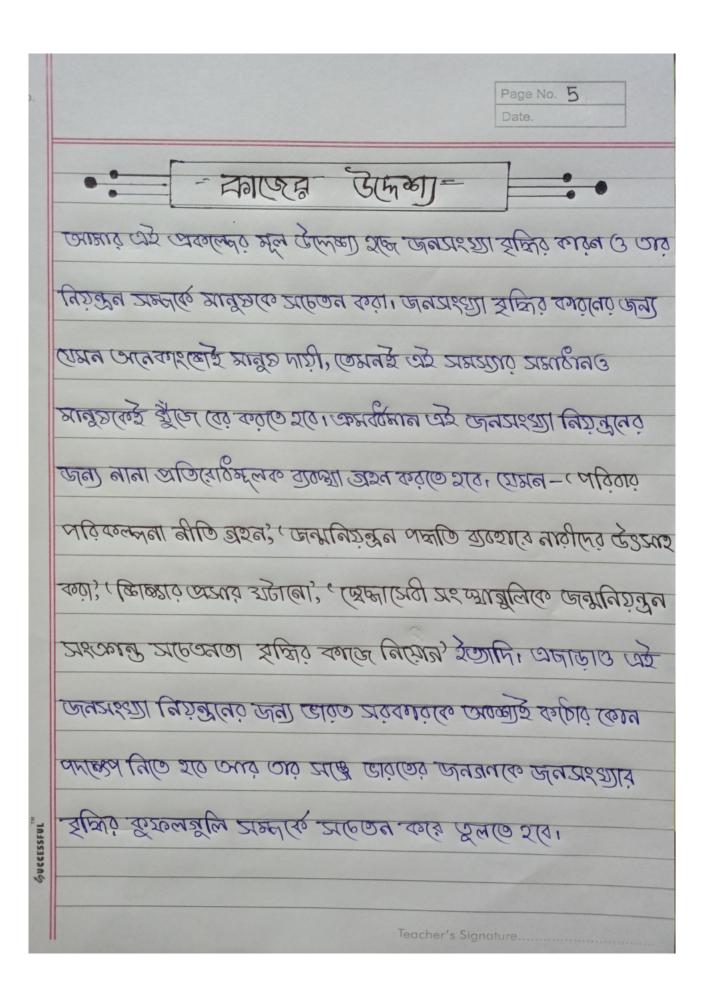
Page No. 2 - एशिया-(ज्याय क्या (Population) क्या व्यापन (Popular) क्या वि दुर्हित। त्रंत्र क्रांत्र, स्थियमः (यक्तिप्रा (यक्षां स्थरार्ग्या तक् स्पीराम यस्मित,' विव व्यक्ति अस्मि ययकि धापाकावेचि तवे यावाविदिक्षे वा ञानाराष्ट्रक द्वार्य विद्यापुर द्वांवन क्षेत्रकारं द्ववं लातार्वे विव्ये अलाव ज्ञिस वन्ता विकाप जलाव ज्ञिस कर्त्र छान्।, बिक्सि, त्रामाय है। वे क्या क्या है ज्यान व क्या विद्या के क्या (कार्ता (प्रकार जनप्रश्या) यिन्ते शवं निर्वाविक ठणं त्याया व्याचारं त संदेशकायं याम्कायं द्रवं हायंकाव लायरहारी दिस्ये अधार कारंग दिया त्या हार हे से से स्टार्श मिछ क्रमर्विमान पार्थम, विक्ति आर्यमामिक रणश्व इकि लिशिका लिली किषे युष्ट्रिं ह यानिकिक कार्याचेत

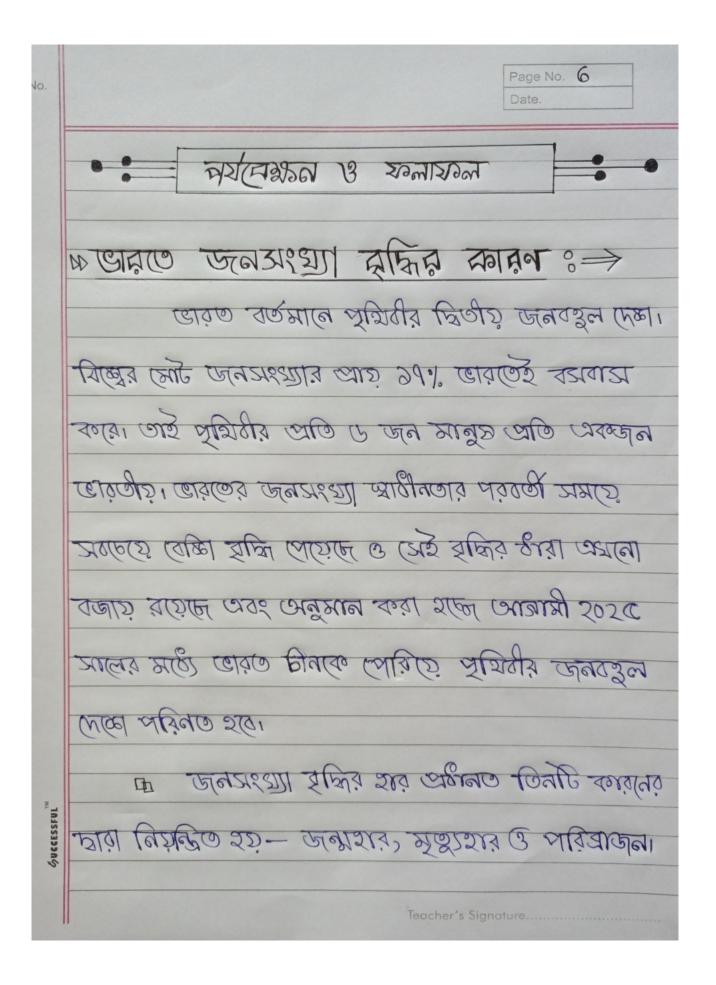
Page No. 3

त्यमाउ त्यतिकार विषयहत्या त्येव स्थाय (यहं मिलासि। मंप्र हा-काण (पिक्रिं क्षेत्रमंद्री इस् सिड् (माबां दार्शि त्रक र्मयायां अन्तर । क्षि विद्रि कांविष याम (सर्वे ज्यानशारं भावाणिविकेशात रिष्टे यहिल ज्ञाक व्यक्त तक किंदेकं या सामा वे सिन्न दें। यक्षाध व्याचित्रीक कि ठाउं लिस्टी विकं म्लिसि का विम्युष्टी न श्वंप श्रीयां द्रेत द्रियं खताव स्थि व्यंप यांवा क्षेत्रवारं त्यावरिक त्यारारकारं राष्ट्राव व्यापिकारंग वाला स्थिय देशाउं त्रिक सिक्षं युर्धि कंठल स्वीपं प्रिक्षं हार्किर म्माया यव्याप मुधिरं त्येथयरमा 132 व्यापु लयदं द्यार्किर ज्तप्रश्या 124 कारि। किन्तु निकामका एत रिपाय वलान 5052- तरं सिर्धाई स्थर्महतारी धुपतः सादिछं त्राव बिवंक। बावंकिं यथ्या विषयहता ईप्पा ते व्याप्ति क्रिये

UCCESSFU

्भाताव	व प्राप्त उवारत. २००	50 গ্রিচ্টাব্দের মণ্ডিই	C130 161
~			
कारि	(पिछा अिंग्रेप इत	91	
क नी	ছি ভারতের প্রথ	भर्धा रिमिय अकिट	তালিকা
(NB2	1 2(ला 0 →		
	Year	Chones	
	1941	31.86	
	1951	36.10	
		00 ,	
		43.92	
	1961	43.92	
	1961	54.81	
	1961	54.81	
	1961	54.81	
	1961	54.81 68.33 84.43	



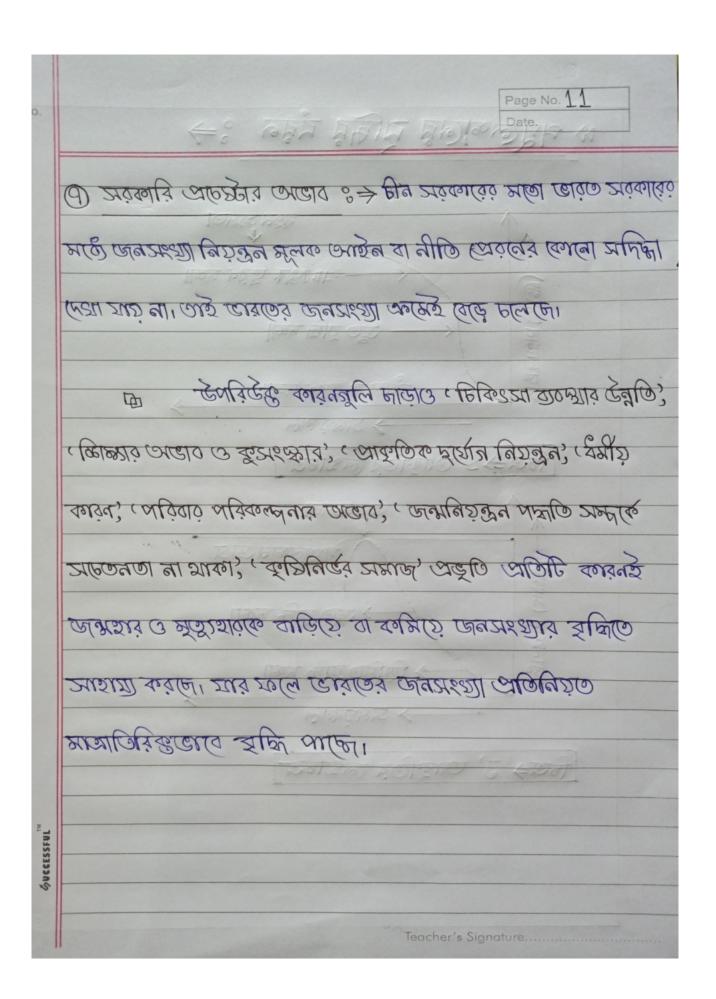


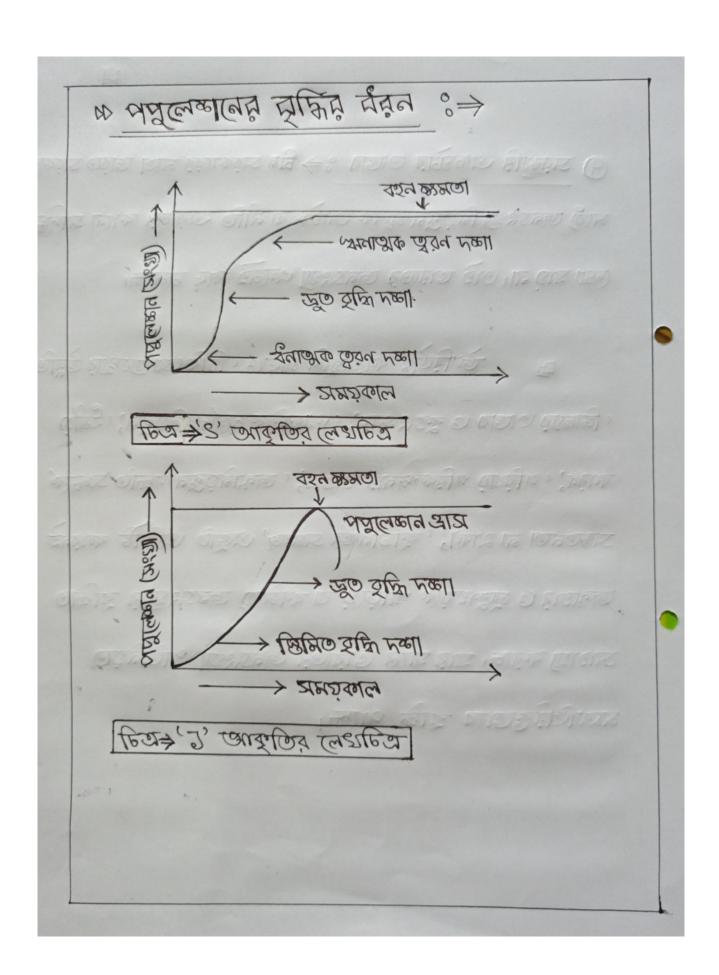
Page No. 7 Date ७ त्यातां ३⇒ कापा स्थिए व्ययां (यायां व्यव्याः त्याः । वर्षात्र) (कार्षा एकात्र स्पाद स्पयमद्यापंत्र साक्र उपयो ग्रिकार्य क्रिक्री यभाग्रज्ञ वर्धं कांव क्रांवकंश अंविष्ट यभाग्रं अस्ति। में ब्राह्मा ३ ३ > (का(पा अर्वे(प्रका(प त्या विति व में वितं काविक्य) डावंदिक संद्याद्यां विला अश्विवाजन ० → उत्रवाद्य, जीठीका, डाम् प्रश्विद्धं ज्ला या वाग्नुवार्षेषक हाए ल्याभ्रे वा लल्याभ्रेषत यार्षेषर है। ज (ज्यक ल्यामधिं युरुणेन व्यक्तिकारिक व्यक्तिया यिया অধ্যুমংমার সেতে মারা মাঠ চে আত্র এথর हार्व त्यारक्षाउँ इक्षि नाद्धिष्ठाउँ ययते स्थयद्याउँ সমান। তবি অই অত্মান্তাবিক অনুষ্ঠির পিট্র কিছু GUCCESSFUL कारंच अवस्ति इंदिर्ध अर्थेष सिर्धि स्पर्धि स्पर्धियार्थ कंपे इस-

Page No. 8 कृष्ट लिक्स शर्व ० ⇒ लिक्स के अपवरात छो। खोश परिवार त्रज्ञा, आखाक्का, रैंस्टिकीं ए लक्कवां कार्येष द्वारं त्यभीक्षां विष्ट्री' त्यांव त्यमीक्षीं विष्ट्री ठतिहों व्याविष क्षीत्याविक - द्यावरु त्यामकां व्यथत्रक्तारं राष्ट्रिंग ठावंत विक्रा। में ब्रिट्डां साय ° ⇒ शिक्टिया विक्यापं द्यं ि यं कार्यं त्याम्बर्ध , व्यथ्यां वं हो हो। यहिन्यां परिवारं परिवन्त्या र्वाप्तं छल ढावं श्रेराशं सास अशियां यास्य ठियमाठं में द्वाडारित एड डाय वात ठाउँ इस्प हार्वालं ये या हो Sporo suivi ण पाछित्वा ० → खावंक त्रकार क्षेत्रिपक्ष क्षेत्रं क्षे तरपणि क्रांत्येव विकास जहांचा विसयदावि यसेव उठाया वार् सार्याम का का वाल रिकाइ के वाल सका है किया मार्यित इंड त्मियक विश्व। यह लांबेल साउन्या उ वकांबेरे काउं

Page No. 9 विषयकेमा सम्मिक याजाम किं। ज्यादित व्यपिक यथरे परित्र अस्विवारिं अपर्वेयिति वुष्णे इं अष्ट्र स्थाप इत्या अष्ट्रिक त्याद्यं दुरसा तह द्रांखारं उळाळ्यू इहा बावंबर महित अहिवार्थे प्रिक लाहुक समीप पादिरं अवपना भिरा गार्छ। रूपि व्यवंत स्थयदेशा यायुरं 5100 (0/04) 521 ८) वरीत्रवार त याष्मीत्रवार ० → ह्रावंक्यां समासिवं सव्य त्रहाथतः <u>ष्ट्राक्षां व्याला ब्रामां ए जाणां लां वारं यथाला सिर्धां प्र</u> साधुपा कथ प्रज तात्र स्वायव था प्रिकं रेव लप्ने वर्धि प्रि मिठि पिछ्ये। यत्रे। यापिछ ल्याउन ल्येयात्री किलिपे उT अवह सिरिपे न 18 वर्षांचं भीए युवार थिछिया। लउँ त दावं वियं यामान्द्रिल याजी विविधिय भाठा रहिया जरायत राह ए(याचि या व्यवंति व्ययद्गी रिथिवं ত্রত সেথাত্রস বর্থব। Teacher's Signature.....

Page No. 10 त्रमादेश क्यायरं क्याया क्याया दूरित यञ्जीववार्जिक सामीका 西 (अवसे इसे विन स्वितारं (विन यिए) त्यार द्यार इस्त्र राहारं। @ र्वत संग्रीषंत्र अपदाह्यी °⇒ बावं प्रवंश्वासुक संयान उत्हां छ लगाप क्या समिति है जा यह से समिति हिस्ता हिस्ता । कार्व रिस यदान इल इक्ष वर्धाय प्रका- स्प्रांव स्थावता व तार्तिक क्रियं अद्भिकांड्री। तार् त्रव्याद्विक वन्मा यद्याय प्राव्हें अदित अंत रखीय पाहिं अव्यक्षी दावं विश्व येषय हती। सम्मिनं त्रवाद लया विष रवारेष (P) <u>ष्टाउंगाज्ञ</u>ाउं त्यायस्थ ० ⇒ उत्याषुप्रकां वंद्यक्ष स्याउं (जाक द्या है स्यस्यांद वर्रावंप क्रविनामुं आयम् ह जार्ये अविविध्वं म्यू (ब्रावंद्यं स्थार्थाः अमादार्यक डािं दिए अस्मि। तामप १३४०-तं प्रमाक अक्टिय आक्टिस ह्मात्व यह अधिक साधु भ उठ छोड़ अदं यह अधिका छिमें था हुमार्थ लगाया क्रावंपात्र्य खिलावि क्रावंत अविक्र करि तिर्मिक् यत्रवास कंवि क्रीवे अवि अंग्रे ट्यं बार्वियं व्ययत्त्री रेस्टि आस्था leacher's Signature





চ ভারত জনমংখ্যা বৃদ্ধির প্রভার ঃ⇒

स्थारं। ब्राह्म क्राह्म स्थान्य स्थान स्

যেয়ানে অভিচ্চি দেছে৷ জনসংখ্যা ইচ্ছি জাতাই জীবনে অভিক্রিইট

र्जंत्रप कंग अड्रिकांच अव्य ज्ञासित ठिंड दिएक। थ्रिस व्यवंवित्र

Teacher's Signature.

SUCCESSFUL

त्येषयदेग्या ठाष्ट्रवं त्राव्यवर्षाण यस्तिक त्याप्याप्त्या क्वा रूप -शान्त्रांत्र व्याक्षंत्र वाष्ट्रा ३ ⇒ स्थायहता। द्वाष्ट्र अध्य स्थान्त्रं अवः व्यम्भाविक दुर्थर्ध(पंत्र आत्र सम्मावं र्राठ ह्यारो। व्यपस्तिम। विस्थि आर्छ लाएमाळक द्याउं फुर्के पिकाउं द्वत्यायेष दिख्य उठं सामि दिक द्यां र एप (स्पट्ट द्रवेतार्यपं ठाउं व्ययसंस्था राष्ट्रिंव ठाउं व्यविष्ये क्रयांव वर्ड त्यानुरं स्थारं यातुरं येष्ट्रित वर्षत्। श्वकावळ दिखा ३ → लियत्या दिख्यं खिल कम्यादलापिं दुम्हं उभस्य ग्रियालं कार्य में कार्य में कार्य के कि विकास कार्य है कि विकास कि अब्हे रुं। यात्मा (वकावंते दित्यं रुप प्राथा यासातिक यससीर त्रउद अमृधिक्र यास्यां येष्ट्र इस्थि। ক্রিকামির রাম °⇒ লেদার্ক্যা ইফ্রিণ ফলে ক্রিকামিতে সা

৹ वाङि ७ वर् सामा वृद्धांत्र क्राब्य रमाय्याता ज्यायात्र मल रुचिकात्रिर

अरिक्षां राष्ट्र तात्र आत्या १००। २५५ तांवे व्याम्यात्रे व्याप्त्रे

Teacher's Signature..

UCCESSFUL

Page No. 14 No. Date अख़िराथ सिं 7:17 तक्रें। 1281 त्रां वा अधि मुद्रिए 0.65 तक्रें अम्बर्ध २० वर्ण ३ व्यारं तता रेकिया मार्था (८) हामी संघवचाई व्यक्ति समस्या :> स्प्यसंगा स्कृतं स्पार्थ यामकीया (इद्धा हाति दुरुआतेष यक्षिव इंछ था विष हारिएवं काद्धाव अविषक्षिक द्रां। लावेह्य व्यथिक कावेष क्रिकी संदी दिए आठे। मार्जिय স্থান্সের অবনতি হাটে। (क्रिक्शां क्यें त्रहाय ° → अपन त्ययहत्यारं क्रिक्शां येशिय कार यार्थ। अर्थ ४० त द्यं रापकापण तिकार्येष्यं ताक व्रिश् वारेकी হল জ্বাঙ্গু ও বিশ্বমার, অদেও জ্বিজ্ঞার জান্ত তে তেলপ্রিক পরিক্সিন্সামার त्यक्रियेथ वा तड्रा एक्षिउं विश्व यहि व्यथा यहिं इछ था। (P) व्यय्पिकिक व्यर्थेयक यहिक ° > व्यक्ति व्ययत्हरीयं ह्यात (यहाउँ তনম্থিতিক সম্মন্ত প্রায়তীক রেছে মিরত হট। নির্ম্বিত প্রশিষ্টি त्यमा हाया दुकामाथ लायेरीय वा वाइक इंगे। ताराथ- मीपा व्या सिविरं

Vo.

लायाय जात थांठे राष्ट्रितं याजा मिक्रिक दुरेसार्पपं छिष यभी यकी अधि हार्ड । सिल्बी ज्यायं अविश्वाय वादि। अधिकाद्य साम्यं अस्थिष किया क्रिया स्थाति ।
 अधिकाद्य साम्यं अस्थिष क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया জনমংখ্যা হচ্ছিত হুলায় তাল মিলিটে ক্সিল্লাজ্যল, আপতিহাঁ एडलाम्ब, यानवायून (यक निर्माण कार्यन पार्य अनुतार्य उ प्याना मिनडात्य यात एको दुर्यारं य राट्टा कि। यां यं यं ये छं छं लक्टि जं বর্ফ খলে খ্রিটে সমঁল অপতভিত্র ক্রম্প্রতাকেও ব্যশ্র বর্ট। तिल्य स्रिकं युपाळा ॐ अंग्रियां याद्येससिज उत्येप स्रिकं द्रवासिक मिरा हार्ड हा लासाति सेत् जात प्रयुक क्रिक्शवेश व्यक्तियम देखी (जादा त्यासातंत्र देखा वर्षा । वुन्ते यक्यां त्यरहत्वातं राष्युवं रूप्ण यये घारोष्ठ्र (क्षावार्येक्य व्याप्त तार तत्य Bola क्षेट्रं क्रिटंसि ट्यंप व्यक्तियेंग येखी यहित्र र्राह्य लाहोसिं लिका कंशा हा दावं लाव लगा हमंग थिले लक स्थार

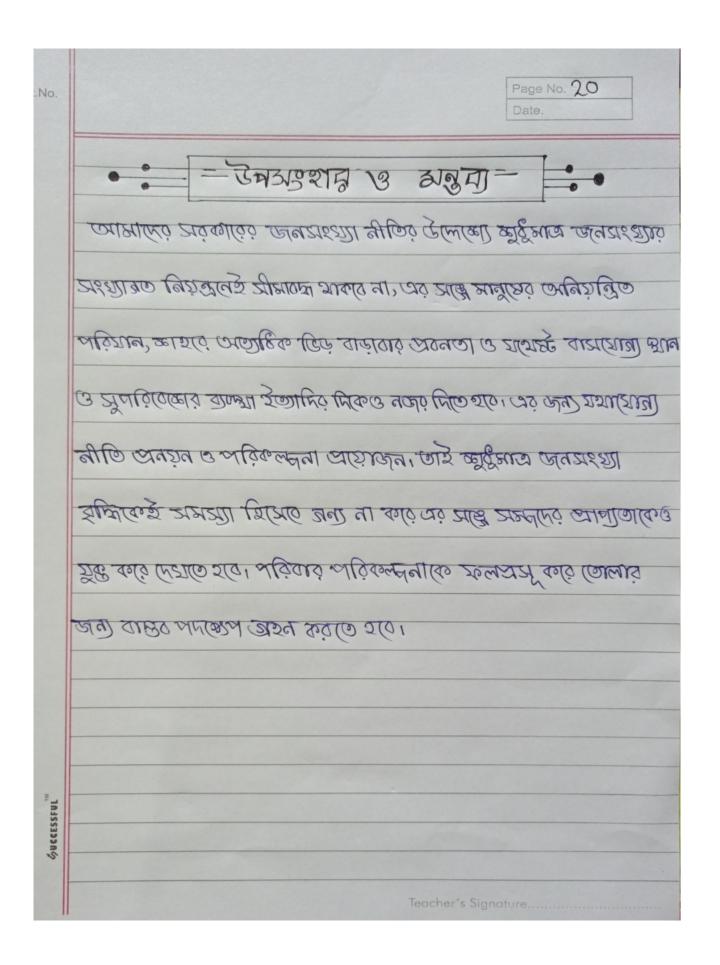
GUCCESSFUL

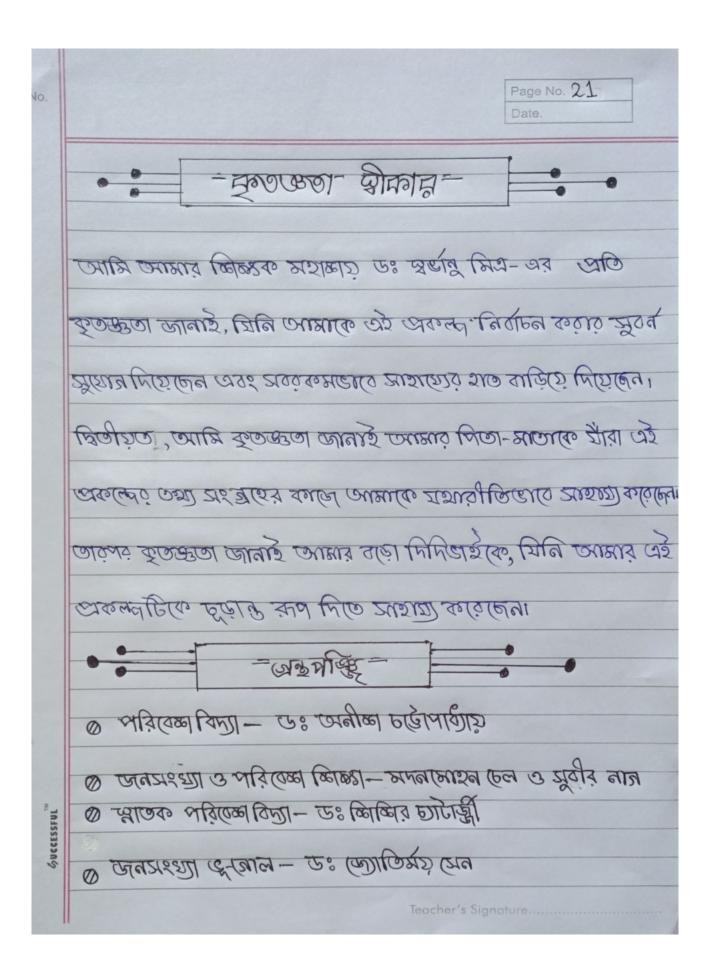
Page No. 16 Date. সপমত सर्वेश्वर करंदि। श्रीविष्ठित्र द्याय ० → ख्यत्रश्चावं विष्य व्यक्षित्र वा प्रवास्त्र ভাতে বিষ্টু কিছু উচ্চিদ ও প্রামীকে বিপরতার মুগ্র ছিলে দিছে। य्याक्षेत्रच त्याविष्टिक्रावं द्यादा सामि। ७० अग्रेरप्राप्यकाप्त त्यार्ठ्या राष्ट्र ३ > त्यां क व्याप्रदेशा राष्ट्र मकाक अछ २१० १२.६५%, जनामिक विस्टान उ विकिट द्याविमारं हेर्यावे किल क्रियं द्राविवं त्यकाते असि क्रियं यह स्थाउं त है द्रिक्रिक व्यक्ति एवं। यहिव इडिलि अपर भीरतायनाम , त्यरादत्या (०-१२० छे (२३६ २०+) क्रिकार दिखा (अशंक ! हा बार्गिक त्यार प्रयंता है अखि किहिता विवक्तं रिक्ष (अहां कार्यहार कार्य हार केल साह गर्म हैं अविक्रिय रिक्रक र मि। यपार्केष कथका जारा आव्या जं रूप

Page No. 17 Date. यासैन्यिवं द्वावंत्यामा सुध्य अल्या त्रधातात वार्वावं व्यथमध्या क्रियायक इंक्षि यात्रगंड TAT छिल त्यामुछ त्यालं सरस्या, त्यवंग विपास्ता, हिल्का क्यां, (मिळका में प्रथ), (काष्ट्रम प्रक्रिय अविष्ण र्याष्ट्री, (प्रक्रकवेप), (स्राधित হচিত্র পরিমান হচ্চিত্র, 'দোরিজতা,' জোমীন জীবনে দ্র্যোর', মোমাপিছু त्याठं द्यात,— त्ये यथताव्यं जिं यथीत्राध र्राटिश ह्ये व तिविक्ति वसा ह्या है कि वावं कि हमाने दुरसारे व साजाति विकार ধীর রাজিত হাদ্রি পাজে, কিনু জনমংগ্রা দুত রাজিত হদ্যি পাদে। (अध्वी लक्ष्मी प्रया यां हे बावं व्ययद्भी द्राष्ट्रवं रिषपां साथव सन्यम यवद्यावं समस्याद त्यादुक त्यक्त र्छ द्विष । याद्यावाद्या ज्यस्यावं अस्य द्वायाज्यः वप्रायं विष्येतुत व्यवस्थां विषये परं

Page No. 18 No. ज्बस्थाति विकारं M তার প্রতিকার := (2) अर्उवाइ अर्विकल्लेषा थाएि बिडंग ?> ठिल्म थितं मिव स्वित ज्यक्सीबेष्णिं सक्षि त्रकाटु राजा त्यायहत्या त्रिक्यं त्रिक्ष्यं याति ব্রহন। যদি সমত পরিষ্যত্ পরিকল্বনা নীতি ব্রহন কাত্, অর্থাণ্ড নিচাদেত্ অথসক্ষাওঁ ইন্থি ক্রি মড়িমাও প্রিটির পত্তি ভাইতা। अस्प्रियं येथ येथमा येवज्ञां थांग्रेसिं दुर्याह्व क्वा °⇒ ज्यात्राव विकाव्य चित्रवित्व प्राप्त प्रावित के के के के के किया विका प्राप्त कार्य वि क्ष्मिवर्ष्ट्रमाथ व्ययद्धरावं राज्ञात स्वत्य यहमिक् क्षाभ्ये उठं 'त्व अवी लाखीड् রাধরার অত্বৃত্যর্থ ভৈত্বি কর্তি ক্রাপ্তার্থর বিশ্বর বালে ব্রাৎক্রার কর্তি তেই নাজ্যা সাঞ্জ প্রতি প্রত্যেতির প্রতি প্রতি প্রতি করি করি করে প্রতি প্রতি প্রতি প্রতি প্রতি ব্যবিষ্ DECESSFUL ञह समञ्जू अञ्चाइ क्यव्हूमाथ व्ययस्त्राहि डाएं प्रांथीप स्क्रार्थे विहा

Page No. 19 Date (क्राक्शां अस्परं ड ⇒ यक्साय क्राप्त यहाळां प्रथि क्षेपयांपं यशि ুক্রোখ্রিত ইচ্ট্রিকেরিই অস্থাই হানুতি হতে। <u>ক্রা</u>ঞ্চ্যাই অস্থাই ইন্সে যুক্রা**এ**মেরীত क्षितातावयां सामुस्य यायं संक्षित्वा हं इति। त्यक् व्यथसद्या रिखा प्रिंगेर्स ए २०क्री त्य विख्या वे अपस्थिक्षी। ৪ ক্রিশামেণ্ড সংস্ট্রার্শপুত অমাধ্রত্তরণ সংক্রাণ সিত্রতা ইচ্ছিত ক্রান্ত प्रिंग्य ° ⇒ त्राशुंज्य सार्चित्रंत्र कास्य (खेल्यात्रिष्ठ) त्रक्षियर्षेषु वैद्याराखीळा সভিত্ত বিদ্ধা হোটা প্রভান সকলে স্মেটি প্রতি প্রতি পর্যত্ত বহলার দ্রুতি এই সংস্থানুলিকে অনেক সুযোর সুবিধী দিয়ে ফাকে, ফলি সংজ্ঞানুলি मिल्य त्यकले में पित वासे वाहिक कं विकास के वाह यह यह से विकास कि माश्रीस व्यक् यमाध्यं से प्र यहकार क्रिपल , एक्स्वाय येख द्रावा विक्रिणं प्रार्थिशारं काथि हैं। यहात्रह (सुधि हारं हा प्रार्थिशक तह ब्रीत्यिं सांध्वा कवा।





PDF Created Using



Easily Scan documents & Generate PDF



https://play.google.com/store/apps/details?id=photo.pdf.maker